सामाजिक विज्ञान

कक्षा 7

(इतिहास)

Chapter 5: जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

फिर से याद करें

प्रश्न 1. निम्नलिखित में मेल बैठाएँ:

गढ़	खेल
टांडा	चौरासी
श्रमिक	कारवाँ
कुल	गढ़ कटंगा
सिब सिंह	अहोम राज्य
दुर्गावती	पाइक

उत्तर:-

गढ़	चौरासी
टांडा	कारवाँ
श्रमिक	पाइक
कुल	खेल
सिब सिंह	अहोम राज्य
दुर्गावती	गढ़ कटंगा

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें:
(क) वर्णों के भीतर पैदा होती नयी जातियाँ _____ कहलाती थीं।
(ख)_____अहोम लोगों के द्वारा लिखी गई ऐतिहासिक कृतियाँ थीं।
(ग)_____ ने इस बात का उल्लेख किया है कि गढ़ कटंगा में 70,000 गाँव थे।
(घ) बड़े और ताकतवर होने पर जनजातीय राज्यों ने _____और _____को भूमि अनुदान दिए।

उत्तर:
(क) वर्णों के भीतर पैदा होती नयी जातियाँ **श्रेणियां** कहलाती थीं।
(ख) **बुरंजी** अहोम लोगों के द्वारा लिखी गई ऐतिहासिक कृतियाँ थीं।
(ग) **अकबरनामा** ने इस बात का उल्लेख किया है कि गढ़ कटंगा में 70,000 गाँव थे।
(घ) बड़े और ताकतवर होने पर जनजातीय राज्यों ने **मंदिर बनवाए** और **ब्राह्मणों** को भूमि अनुदान दिए।

प्रश्न 3. सही या गलत बताइए:
(क) जनजातीय समाजों के पास समृद्ध वाचक परंपराएँ थीं।
(ख) उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी भाग में कोई जनजातीय के नहीं था। समुदाय
(ग) गोंड राज्यों में अनेक नगरों को मिला कर चौरासी बनता था।
(घ) भील, उपमहाद्वीप के उत्तर-पूर्वी भाग में रहते थे।
उत्तर: (क) सही, (ख) गलत, (ग) गलत, (घ) गलत।

प्रश्न 4. खानाबदोश पशुचारकों और एक जगह बसे हुए खेतिहरों के बीच किस तरह का विनिमय होता था?
उत्तरः खानाबदोश पशुचालक खेतिहार गृहस्थों से अनाज, बर्तन कपडे आदि के लिए घी, ऊन का विनियम करते थे।

MUKUTclasses

आइए समझें

प्रश्न 5. अहोम राज्य का प्रशासन कैसे संगठित था?
उत्तर: अहोम राज्य का प्रशासन निम्न प्रकार से संगठित था-

1. अमोह राज्य बेगार पर निर्भर था। राज्य के लिए लोगों से जबरन काम लिया जाता था।
2. अहोम राज्य की जनगणना के बाद प्रत्येक गांव से निश्चित संख्या में लोग भेजे जाते थे।
3. यह लोग सेना में अपनी सेवाएं देते थे और खाली समय में खेती के काम में सहायता करते थे।
4. सत्रहवीं शताब्दी का पूर्वार्द्ध पूरा होते होते प्रशासन संगठित हो गया था।

प्रश्न 6. वर्ण आधारित समाज में क्या परिवर्तन आए?
उत्तर: वर्ण आधरित समाज में निम्नलिखित परिवर्तन आए -

1. वर्गों के भीतर छोटी छोटी जातियाँ उभरने लगीं। ब्राह्मणों के बीच नयी जातियाँ समाने आई।
2. कई जनजातियों और सामाजिक समूहों को जाति विभाजित समाज में शामिल कर लिया गया और उन्हें जातियों का दर्जा दे दिया गया।
3. शिल्पियों, सुनार, लोहार, बढ़ई और राजमिस्त्रियों को जातियों के रूप में मान्यता दे दी गई।
4. वर्ण की बजाय अब जाती व्यवस्था सामाजिक संगठन का आधार बन गई।

प्रश्न 7. एक राज्य के रूप में संगठित हो जाने के बाद जनजातीय समाज कैसे बदला ?
उत्तर: एक राज्य के रूप में संगठित हो जाने की बाद जनजातीय समाज में निम्नलिखित बदलाव आए-

1. बराबरी वाला समाज अब वर्गों में बंटने लगा।
2. जनजातीय सरदार अब राजपूत राजा के रूप में मान्यता प्राप्त करने लगे।
3. वे राजपूतों से विवाह करने लग गए।
4. हूण, चंदेल, चालुक्य और कुछ दूसरी वंश परंपराओं में से कुछ पहले जनजातियों में आते थे और बाद में की राजपूत मान लिए गए।
5. ब्राह्मणों के समर्थन से कई प्रमुख जनजातीय परिवार शासक वर्ग में शामिल हो गए।

MUKUTclasses

आइए विचार करें

प्रश्न 8. क्या बंजारे लोग अर्थव्यवस्था के लिए महत्त्वपूर्ण थे?
उत्तर: हाँ, बंजारे लोग अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण थे -

1. अलाउद्दीन खिलजी के समय में बंजारों से बाजारों में आनाज की ढुलाई करवाया जाता था।
2. सैन्य अभियानों के दौरान वे मुग़ल सेना के लिए खाद्यान्नों की ढुलाई का काम करते थे।
3. बंजारे विभिन्न इलाकों से अपने बैलों पर सस्ता अनाज लाकर शहरों में बेचते थे।
4. बहुत बार वे भाड़े पर सामान ढोते थे।

प्रश्न 9. गोंड लोगों का इतिहास, अहोमों के इतिहास से किन मायनों में भिन्न था? क्या कोई समानता भी थी?
उत्तर: गोंड एवं अहोमों में भिन्नता -

1. गोंड लोग गोंडवाना नामक वन प्रदेश में रहते थे, जबकि अहोम ब्रह्मपुत्र घाटी की प्रमुख जनजाति थी।
2. गोंड मूल निवासी थे, जबकि अहोम म्यांमार से आकर बसे थे।
3. गोंड स्थानांतरित कृषि करते थे जबकि अहोम नवीन तरीके की खेती में सक्षम थे।

गोंड एवं अहोम में समानताएँ-

1. गोंड और अहोम दोनों ही समाज कुलों में विभाजित था।
2. दोनों ही जनजातियों के लोग गांवों में रहते थे।
3. दोनों ही राज्यों को मुगलों ने पराजित किया।

आइए करके देखें

10. एक मानचित्र पर इस अध्याय में उल्लिखित जनजातियों के इलाकों को चिह्नित करें। किन्हीं दो के संबंध में यह चर्चा करें कि क्या उनके जीविकोपार्जन का तरीका अपने-अपने इलाकों की भौगोलिक विशेषताओं और पर्यावरण के अनुरूप था ?
उत्तर: इस अध्याय में उल्लिखित जनजातियाँ जैसे गोंड (मध्य भारत), संथाल (झारखंड), भील (राजस्थान), नागा (पूर्वोत्तर), और बकरवाल (जम्मू-कश्मीर) अलग-अलग इलाकों में पाई जाती हैं।
उदाहरण:
1. बकरवाल — जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में रहते हैं, पशुपालन उनका मुख्य पेशा है, जो पहाड़ी पर्यावरण के अनुकूल है।
2. गोंड — मध्य भारत के जंगलों में रहते हैं, झूम खेती और वनोपज पर निर्भर हैं, जो वहाँ के वन-प्रधान क्षेत्र के अनुसार उपयुक्त है।

11. जनजातीय समूहों के संबंध में मौजूदा सरकारी नीतियों का पता लगाएँ और उनके बारे में एक बहस का आयोजन करें।
उत्तर: भारत सरकार ने जनजातीय समुदायों के लिए कई योजनाएँ लागू की हैं, जैसे:
1. शिक्षा: एकलव्य मॉडल विद्यालय और छात्रवृत्ति योजनाएँ।
2. अजीविका: PM-JANMAN और कौशल विकास कार्यक्रम।
3. भूमि अधिकार: वन अधिकार अधिनियम 2006।

बहस के विषय:
1. क्या योजनाएँ प्रभावी हैं?
2. क्या भूमि अधिकारों की रक्षा हो रही है?
3. शिक्षा और रोजगार में कितना सुधार हुआ?
4. क्या जनजातीय संस्कृति सुरक्षित है?

12. उपमहाद्वीप में वर्तमान खानाबदोश पशुचारी समूहों के बारे में और पता लगाएँ। वे कौन-से जानवर रखते हैं? वे प्रायः किन इलाकों में जाते रहते हैं?
उत्तर: उपमहाद्वीप में वर्तमान खानाबदोश पशुचारी समूहों में बकरवाल (जम्मू-कश्मीर), गद्दी (हिमाचल प्रदेश), गुज्जर (उत्तर भारत), रेबारी (राजस्थान और गुजरात), शामिल हैं।
ये लोग प्रायः भेड़, बकरी, गाय, याक, ऊँट और घोड़े पालते हैं।
वे गर्मियों में पहाड़ी और ठंडे इलाकों (जैसे हिमालय) की ओर और सर्दियों में मैदानी या कम ऊँचाई वाले क्षेत्रों में जाते हैं।

MUKUT classes